In accordance with NEP-2020

UG Course Sanskrit

(UGST)

Paper Structure

Year	Semester	Course Code/ प्रश्नपत्र का संकेतांक	Title of the Course/प्रश्नपत्र का शीर्षक	Credits/ श्रेयांक	Compulsory/Elective अनिवार्य / वैकल्पिक	Max.Marks / पूर्णांक
Compulsory Core Course /विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम						
UG I	I	UGST-101 (N)	i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् ii) भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्	4	अनिवार्य	100
	II	UGST-102 (N)	i)उत्तररामचरितम् ii) छन्द एवं अलंकार	4	अनिवार्य	100
UG II	III	UGST-103 (N)	i) कादम्बरी कथामुखम् ii)सिद्धान्तकौमुदी कारकप्रकरण iii संस्कृत निबन्ध	4	अनिवार्य	100
	IV	UGST-104 (N)	i)वेद ii)कठोपनिषद् iii)अनुवाद	4	अनिवार्य	100
Discipline Centric Course / विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम						
UG III	V	DCEST-101 (N)	संस्कृत–साहित्य की रूपरेखा	3	अनिवार्य	100
		DCEST -102(N)	लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञा, सन्धि, स्त्रीप्रत्यय	3	अनिवार्य	100
	VI	DCEST -103(N)	दर्शन– श्रीमद्भगवद्गीता	3	अनिवार्य	100
		DCEST -104(N)	साहित्यदर्पण	3	अनिवार्य	100
Skill Enhancement Course / कौशल विकास पाठ्यक्रम						
प्रथम सेमेस्टर		SETP-01(N)	व्यवहारिक अनुवाद में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	4	अनिवार्य	100
द्वितीय सेमेस्टर		SECT -02 (N)	कम्प्यूटर तकनीकी में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	4	अनिवार्य	100
तृतीय सेमेस्टर		SES & T-01 (N)	विज्ञान एवं तकनीकी में कौशल विकास पाठ्यक्रम	4	अनिवार्य	100
चतुर्थ सेमेस्टर		SEIC & T-02 (N)	भारतीय संस्कृति एवं पर्यटन में कौशल विकास पाठ्यक्रम	4	अनिवार्य	100
पंचम सेमेस्टर		SESP-03 (N)	सचिवीय कार्य पद्धति में कौशल विकास पाठ्यक्रम	4	अनिवार्य	100
षष्ठ सेमेस्टर		SEINS-04(N)	बीमा में कौशल विकास पाठ्यक्रम	4	अनिवार्य	100
Ability Enhancement Course /योग्यता प्रदायी पाठ्यक्रम						
प्रथम सेमेस्टर		AECEG Or AECHD	अंग्रेजी में योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम **अथवा** हिन्दी में योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम	4	वैकल्पिक	100
द्वितीय सेमेस्टर		AEC Human Rights & Duties Or AEC Health & Hygiene	मानवाधिकार एवं कर्तव्य में योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम **अथवा** स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम	4	वैकल्पिक	100
तृतीय सेमेस्टर		AECEA Or AESWM	पर्यावरण जागरूकता में योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम **अथवा** ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम	4	वैकल्पिक	100
चतुर्थ सेमेस्टर		AECNC	समुदाय के लिए पोषण में योग्यता			100

	or AEDM	संवर्धन पाठ्यक्रम **अथवा** आपदा प्रबंधन में योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम	4	वैकल्पिक	
Literary Survey/Research Projects/Field Work					
पंचम सेमेस्टर	AR-101 (N)	**परियोजना–कार्य** (किसी एक विषय पर)–संस्कृत साहित्य में नैतिक शिक्षा संस्कृत की उपयागिता एवं महत्व, संस्कृत में समुपलब्ध विज्ञान, व्याकरण प्रयोजन, रस अथवा अलंकारों के भेद–प्रभेद	4	अनिवार्य	100
षष्ठ सेमेस्टर	AR -102 (N)	**साहित्यिक सर्वेक्षण** (किसी एक विषय पर)– संस्कृत गीतिकाव्य संस्कृत महाकाव्य संस्कृत गद्यकाव्य संस्कृत नाटक	4	अनिवार्य	100

संस्कृत

UGST-101 (N)

- **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**
- **नीतिशतकम्**

खण्ड–1 **अभिज्ञानशाकुन्तलम् I– (सामान्य अध्ययन के लिए सम्पूर्ण, संस्कृत–व्याख्या तथा हिन्दी–अनुवाद के लिए चतुर्थ अंक पर्यन्त)**

इकाई–1 महाकवि कालिदास–जीवनवृत्त, स्थिति–काल एवं कृतियाँ

इकाई–2 कथावस्तु– कथानक, मूलकथा–स्रोत, नामकरण, नाटकत्व

इकाई–3 नाटक की महत्ता, तथा अभिज्ञानशाकुन्तल का वैशिष्ट्य, कालिदास की नाट्यकला, अलंकार योजना, रसयोजना, सौन्दर्य–प्रेम चित्रण, प्रकृति–चित्रण आदि तथा अन्य आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण

दुष्यन्त, शकुन्तला, अनसूया और प्रियम्वदा, शार्ङ्गरव तथा शारद्वत, विदूषक, महर्षि कण्व, गौतमी, महर्षि मारीच

खण्ड –2 **अभिज्ञानशाकुन्तलम् II**

इकाई–5 **प्रथम अंक की व्याख्या–** श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी–व्याख्या, अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या। (श्लोक 1 से 16 तक)

इकाई–6 प्रथम अंक के श्लोक संख्या 17 से 33 तक की संस्कृत–हिन्दी व्याख्या, अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–7 द्वितीय अंक के सभी श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी–व्याख्या, अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–8 तृतीय अंक के श्लोक संख्या 1 से 12 तक श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी–व्याख्या, अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–9 तृतीय अंक के श्लोक संख्या 13 से 24 तक श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी–व्याख्या अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

इकाई–10 चतुर्थ अंक के सभी श्लोकों की संस्कृत–हिन्दी–व्याख्या, अनुवाद एवं सूक्तियों की व्याख्या।

खण्ड –2 **नीतिशतकम्– (श्लोक–1 से श्लोक 30 तक)**

इकाई–11 भर्तृहरि का जीवन–वृत्त और कृतियाँ।

इकाई–12 1 से 15 तक श्लोकों की हिन्दी–व्याख्या, अनुवाद एवं सामान्य प्रश्न ।

इकाई–13 14 से 30 तक श्लोकों की हिन्दी–व्याख्या, अनुवाद एवं सामान्य प्रश्न ।

UGST-102 (N)

- **उत्तररामचरितम्**
- **छन्द एवं अलंकार**

खण्ड–1 **नाटक :**

इकाई–1 **उत्तररामचरितम्– (तृतीय अंक पर्यन्त)** नाटक–प्रयोजन एवं स्वरूप, रमणीयता, नाट्योत्पत्ति तथा अन्य विशेषताएँ। नाटक के मूल तत्त्व, नायक के प्रकार एवं लक्षण, प्रतिनायक, नायिका, रस, भाव तथा प्रेक्षागृह आदि।

इकाई–2 **भवभूति–** जीवन–परिचय, समय, भवभूति का पाण्डित्य, रचनाएँ, भवभूति का काव्य–सौन्दर्य, भवभूति और कालिदास तथा आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 **कथावस्तु–** उत्तररामचरितम् की संक्षिप्त कथा (अलंकार) , कथा का आधार, वाल्मीकि रामायण में वर्णित कथा, पद्मपुराण में वर्णित कथा, कथा में परिवर्तन, उत्तररामचरितम् में वर्णित समाज एवं संस्कृति, उत्तररामचरितम् की आलोचना, उत्तररामचरितम् में रस–निरूपण।

इकाई–4 **चरित्र –चित्रण–** राम, सीता, चन्द्रकेतु, लव, कुश, जनक, लक्ष्मण, कौसल्या तथा वासन्ती।

खण्ड–2 **उत्तररामचरितम्**

इकाई–5 प्रथम अंक के श्लोक 1 से 16 तक की अनुवाद एवं व्याख्या।
इकाई–6 प्रथम अंक के श्लोक 17 से 35 तक की अनुवाद एवं व्याख्या।
इकाई–7 प्रथम अंक के श्लोक 36 से प्रथम अंकपर्यन्त तक की अनुवाद एवं व्याख्या।
खण्ड–3 **उत्तररामचरितम्**
इकाई–8 द्वितीय अंक के श्लोक 1 से 15 तक की अनुवाद एवं व्याख्या ।
इकाई–9 द्वितीय अंक के श्लोक 16 से द्वितीय अंक पर्यन्त तक की अनुवाद एवं व्याख्या ।

खण्ड–4 **उत्तररामचरितम्**
इकाई–10 तृतीय अंक के श्लोक 1 से 25 तक की अनुवाद एवं व्याख्या।
इकाई–11 तृतीय अंक के श्लोक 26 से 48 तक का अनुवाद एवं व्याख्या ।
इकाई–12 **सुभाषित वाक्यः–** सुभाषित वाक्यों का स्वरूप, महत्त्व एवं सुभाषित वाक्यों की व्याख्या।

खण्ड–5 **छन्द एवं अलंकार**

इकाई–13 **छन्द (वृत्तरत्नाकर के आधार पर)–** छन्दों का सामान्य–परिचय, गणविचार, यति, वार्णिक छन्द, मात्रिक छन्द, प्रमुख छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण– अनुष्टुप् या श्लोक, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, द्रुतविलम्बित, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, वियोगिनी, पुष्पिताग्रा एवं आर्या।

इकाई–14 **अलंकार (साहित्य दपर्ण के आधार पर)**– अलंकारों का सामान्य–परिचय, अलंकार की व्युत्पत्ति, अलंकारों का वर्गीकरण तथा भेद, साहित्यदर्पण के अनुसार अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण।

प्रमुख अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, सन्देह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, तुल्ययोगिता, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, विरोधाभास, परिसंख्या तथा निदर्शना, तथा प्रमुख अलंकारों में भेद।

UGST-103 (N)

- **कादम्बरीकथामुखम्**
- **सिद्धान्तकौमुदी कारक–प्रकरण**
- **संस्कृत–निबन्ध**

खण्ड–1 **कादम्बरीकथामुखम् –(अगस्त्याश्रमवर्णनपर्यन्त)**

इकाई–1 गद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास, तथा सामान्य परिचय।

इकाई–2 महाकवि बाणभट्ट : जीवन– वृत्त, स्थितिकाल एवं कर्तृत्व।

इकाई–3 कादम्बरी : कथानक एवं पात्र–परिचय (चरित्र–चित्रण)।

इकाई–4 कादम्बरी– समीक्षा– कथा का मूल स्रोत, कथा–आख्यायिका में भेद। बाण का साहित्यिक वैभव– शैली एवं भाषा, गद्य–सौष्ठव, बाणभट्‌ट–विषयक सूक्तियाँ।

इकाई–5 कादम्बरीकथामुखम् (अगस्त्याश्रमवर्णनपर्यन्त)– हिन्दी–अनुवाद, संस्कृत–व्याख्या एवं टिप्पणी– मंगलाचरण से मकरध्वजे चापध्वनिरभूत् तक।

इकाई–6 कादम्बरीकथामुखम् (अगस्त्याश्रमवर्णनपर्यन्त)– हिन्दी–अनुवाद, संस्कृत–व्याख्या एवं टिप्पणी– **तस्य च राज्ञः** से **अतिशयरूपा–कृतिमनिमिषलोचनो ददर्श** तक।

इकाई–7 कादम्बरीकथामुखम् (अगस्त्याश्रमवर्णनपर्यन्त)– हिन्दी–अनुवाद, संस्कृत–व्याख्या एवं टिप्पणी– **जातविस्मयस्याभून्मनसि महीपतेः** से **वनचरैरद्याप्यालोक्यते** तक।

खण्ड–2 **कारक–प्रकरण**

इकाई–8 कारक का सामान्य परिचय, प्रथमा विभक्ति से द्वितीया विभक्ति तक।

इकाई–9 तृतीया और चतुर्थी विभक्ति।

इकाई–10 पंचमी विभक्ति से षष्ठी विभक्ति तक सभी सूत्रों की व्याख्या तथा उदाहरण।

इकाई–11 अधिकरण कारक–सप्तमी विभक्ति।

खण्ड–3 **संस्कृत निबन्ध**

इकाई–12 **वर्णनात्मक निबन्ध–** गंगा, वाराणसी, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम् वैशिष्ट्यं च, नौका–विहारः, सैनिकशिक्षा, समाचारपत्रम्, पुस्तकालयः, दीपावली, वसन्तः, ग्रीष्मः, स्वतंत्रतादिवसोत्सवः, गणतंत्रदिवसोत्सवः।

इकाई–13 **विचारात्मक निबन्ध–** भगवान् श्रीकृष्णः, भगवान् बुद्धः, महामना मदनमोहन मालवीयः, महात्मा गान्धिः। **भावात्मक व समीक्षात्मक निबन्ध, –** अनुशासनम्, सत्संगतिः , सदाचारः, परोपकारः।

इकाई–14 **सूक्ति एवं कविविषयक निबन्ध –** विद्यार्थिकर्त्तव्यम्, आधुनिकविज्ञानम्, विद्या, सत्यम्, (सत्यमेव जयते नानृतम्), उद्योगः, अहिंसा, गुणैर्हि सर्वत्र पदं निधीयते, मातृभक्तिः देशभक्तिश्च, वैदिकी संस्कृतिः, भारतीया संस्कृतिः, ऋग्वेदः, वेदांगानां महत्त्वम् , महाकविः कालिदासः, महाकविः दण्डी, महाकविः बाणभट्टः, महाकवि : अश्वघोषः, महाकविः भारविः, अस्माकं देशः।

UGST-104 (N)

- **वेद**
- **कठोपनिषद्**
- **अनुवाद**

खण्ड–1 **वेद**

इकाई–1 **वेदों का सामान्य परिचय–** चार वेद, चार ऋत्विज , वेदत्रयी। वेदों के विभाग : संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्। संहिता ग्रन्थ – ऋग्वेद संहिता, यजुर्वेद संहिता, सामवेद संहिता, अथर्ववेद संहिता। ब्राह्मण ग्रन्थ– ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद, कृष्णयजुर्वेद, सामवेदीय, ब्राह्मण, अथर्ववेदीय ब्राह्मण ग्रन्थ। आरण्यक ग्रन्थ– ऋग्वेद के, सामवेद के तथा अथर्ववेद के आरण्यक। उपनिषदों का सामान्य–परिचय।

इकाई–2 **वेदाड्.ग –** शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द एवं ज्योतिष का सामान्य परिचय।

इकाई–3 **देवता–परिचय** अग्नि, इन्द्र, विश्वेदेवा, विष्णु, वाक्, पुरुष, शिवसंकल्प सूक्तों में –स्थान, उत्पत्ति , स्वरूप, कार्य, प्राकृतिक आधार, निवास स्थान एवं महत्त्व ।

इकाई–4 **वैदिक संस्कृत की विशेषताएँ और ऋग्वेद के छन्द–** वैदिक संस्कृत की विशेषताएँ, ध्वन्यात्मक विशेषताएँ, सन्धिगत विशेषताएँ, स्वराघात, धातुरूप, शब्दरूप, वाक्यविन्यास, वैदिक स्वरप्रक्रियाएँ। ऋग्वेद के छन्द (गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, बृहती, जगती, पंक्ति छन्दों के विषय में विशेष)।

खण्ड –1 (भाग 2) वैदिक सूक्तों के मन्त्र

इकाई–5 अग्निसूक्त एवं विश्वेदेवासूक्त का पदपाठ, सायणभाष्य, अन्वय, पदार्थ, अनुवाद तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

इकाई–6 विष्णुसूक्त एवं इन्द्रसूक्त का पदपाठ, सायणभाष्य, अन्वय, पदार्थ, अनुवाद तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

इकाई–7 पुरुषसूक्त एवं वाक्सूक्त का पदपाठ, सायणभाष्य, अन्वय, पदार्थ, अनुवाद तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

इकाई–8 शिवसंकल्प सूक्त का पदपाठ, सायणभाष्य, अन्वय, पदार्थ, अनुवाद तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ।

खण्ड –2 **कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय– तृतीया वल्लीपर्यन्त)**

इकाई– 9 वैदिक वाड्.मय में कठोपनिषद्,

इकाई–10 कठोपनिषद् का सामान्य परिचय एवं स्थान, कठोपनिषद् का प्रतिपाद्य एवं सारांश

इकाई–11 कठोपनिषद् का सामान्य अध्ययन एवं श्लोकों की व्याख्या। प्रथमा वल्ली–हिन्दी–अनुवाद, भावार्थ, शाब्दिक निर्वचन, पारिभाषिक शब्दार्थ एवं समीक्षात्मक प्रश्न। (मंत्र संख्या 1 से 18 तक)

इकाई–12 कठोपनिषद् का सामान्य अध्ययन एवं श्लोकों की व्याख्या। प्रथमा वल्ली–हिन्दी–अनुवाद, भावार्थ, शाब्दिक निर्वचन, पारिभाषिक शब्दार्थ एवं समीक्षात्मक प्रश्न। (मंत्र संख्या 19 से 29 तथा द्वितीया वल्ली मंत्र संख्या 1 से 8 तक) ।

इकाई–13 द्वितीया एवं तृतीया वल्ली–हिन्दी अनुवाद, भावार्थ, शाब्दिक निर्वचन, पारिभाषिक शब्दार्थ एवं समीक्षात्मक प्रश्न। (द्वितीय वल्ली मंत्र संख्या 9 से 24 तक तथा तृतीया वल्ली 1 से 17 तक)।

इकाई–14 संस्कृत–अनुवाद।

DCEST-101(N)

संस्कृत साहित्य की रूपरेखा

- **लौकिक संस्कृत– साहित्य का इतिहास**

खण्ड– 1 लौकिक संस्कृत– साहित्य का इतिहास

इकाई–1 **रामायण–** आदिकवि वाल्मीकि, रचनाकाल, आदिकाव्य रामायण, संस्करण, प्रक्षिप्त–अंश, रामायण का प्रतिपाद्य विषय, रामायण के प्रणेता एवं रामायण और महाभारत की संस्कृतियों का भेद।

इकाई–2 **रामायण का महत्त्व–** काव्य–सौन्दर्य, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण, स्त्रीपात्रों का चित्रण, रामायण का उपजीव्यत्व।

इकाई–3 **महाभारत–** रचनाकाल, विकासक्रम, विभाजन, टीकाकार, काव्य–सौन्दर्य।

इकाई–4 महाभारत का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व– महाभारत में विज्ञान, धर्म, राजनीति, समाज एवं अर्थव्यवस्था।

इकाई–5 **महाकाव्य–** बुद्धचरित, रघुवंश तथा कुमारसंभव –महाकाव्यों का उद्‌भव और विकास, अश्वघोष, महाकवि कालिदास– स्थिति–काल, ''उपमा कालिदासस्य''। रघुवंश–विषयवस्तु, कुमारसम्भव– कथा– योजना।

इकाई–6 किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, महाकवि भारवि–'भारवेरर्थगौरवम्', किरातार्जुनीय–कथानक, काव्यगत विशेषताएँ। महाकवि माघ, शिशुपालवध का कथानक, काव्यगत विशेषताएँ, माघ का वैदुष्य। श्रीहर्ष, काव्यगत विशेषताएँ एवं अन्य महाकाव्य।

खण्ड–2 लौकिक संस्कृत–साहित्य का इतिहास

इकाई–7 **रूपक और प्रमुख रूपककार–** संस्कृत–नाटकों का विकास, नाटक का वैशिष्ट्य, भास–परिचय, रचनाएँ, भास के नाटकों का संक्षिप्त परिचय, भास का समय। कालिदास–परिचय, रचनाकाल, नाटक। भवभूति– परिचय, रचनाकाल, नाटकों का संक्षिप्त परिचय। शूद्रक–परिचय, स्थितिकाल, मृच्छकटिक। विशाखदत्त– परिचय, रचनाकाल, मुद्राराक्षस। भट्टनारायण–परिचय, रचनाकाल, वेणीसंहार।

इकाई–8 **गद्यकाव्य–** गद्यकाव्य का स्वरूप, उत्पत्ति एवं विकास, वैदिक गद्य, साहित्यिक गद्य, कथा और आख्यायिका, गद्य के अवान्तर भेद।

इकाई–9 **प्रमुख गद्यकार–** सुबन्धु– जीवन वृत्त, कर्तृत्व, समय, वासवदत्ता की संक्षिप्त कथा, सुबन्धु की शैली और काव्य सौन्दर्य। दण्डी– जीवनवृत्त, कृतियाँ, समय, दशकुमारचरित की संक्षिप्त कथा, दण्डी की शैली, 'दण्डिनः पदलालित्यम्', दण्डी का काव्य सौष्ठव, नैतिक आदर्श। बाणभट् –जीवनवृत्त, कर्तृत्व, बाण के गद्य–काव्यों की संक्षिप्त कथा (हर्षचरित, कादम्बरी), बाण की शैली, 'बाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्', बाण का काव्य–सौन्दर्य।

इकाई–10 चम्पूकाव्य– काव्य का स्वरूप, काव्य के भेद, चम्पूकाव्य का स्वरूप, मिश्र–काव्य के विकास की पृष्ठभूमि, चम्पूकाव्येतर मिश्रशैली का स्वरूप।

इकाई–11 **प्रमुख चम्पूकाव्य–** महाकवि त्रिविक्रमभट्ट– जीवनवृत्त, कर्तृत्व, नलचम्पू की कथावस्तु। महाराजभोज – जीवनवृत्त, समय, कृतित्व, चम्पूरामायण की कथावस्तु अनन्तभट्ट– जीवनवृत्त और समय, चम्पूभारत की कथावस्तु, कर्तृत्व । कविकर्णपूर– जीवनवृत्त एवं कर्तृत्व तथा आनन्दवृन्दावनचम्पू की कथावस्तु। श्रीजीवगोस्वामी–जीवनवृत्त, कर्तृत्व, श्रीगोपालचम्पू की कथावस्तु, गोपाल– उत्तरचम्पू।

इकाई–12 **जन्तु कथाएँ–** कथा साहित्य, कथासाहित्य का उद्भव और विकास, नीति– कथाओं की विशेषताएँ, जन्तुकथाएँ (पंचतन्त्र, हितोपदेश)।

DCEST-102 (N)

लघुसिद्धान्तकौमुदी

- **संज्ञाप्रकरण**
- **सन्धिप्रकरण**

खण्ड–1 **संज्ञाप्रकरण**

इकाई–1 **संज्ञाप्रकरण–** इत्संज्ञा, लोपसंज्ञा, प्रत्याहार, ह्रस्वदीर्घप्लुतसंज्ञा, उदात्तानुदात्तस्वरितसंज्ञा, अनुनासिकसंज्ञा, सवर्णसंज्ञा, संहितासंज्ञा, संयोगसंज्ञा, पदसंज्ञा।

इकाई–2 **अच्सन्धिप्रकरण–** यण्सन्धि, अयादिसन्धि, गुणसन्धि, वृद्धिसन्धि।

इकाई–3 पररूप, दीर्घसन्धि।

इकाई–4 पूर्वरूप संधि, प्रकृतिभाव, ह्रस्वविधान।

इकाई–5 **हल्सन्धिप्रकरण** श्चुत्व–ष्टुत्व–शश्छोऽटि– अनुस्वारादि।

इकाई–6 **कुक्–टुक्–धुट्–तुक्– ड.मुट्– रुविधान**।

इकाई–7 **विसर्गसन्धिप्रकरण–** सत्वविधान, रुत्वविधान, यत्वविधान, रत्वविधान, र्–लोपविधान, अण् दीर्घविधान एवं सुलोपविधान।

इकाई–8 **स्त्रीप्रत्ययप्रकरण–** टाप्, ड.ीप्, ड.ीष्, ऊड., ड्.ीन्, क्तिन् प्रत्ययविधान।

DCEST-103 (N)

दर्शन

- **श्रीमद्भगवद्गीता**

खण्ड–1 **श्रीमद्भगवद्गीता –(द्वितीय अध्याय)**

इकाई–1 **श्रीमद्भगवद्गीता –** भगवद्गीता का कलेवर एवं भाषा शैली, भगवद्गीता का स्रोत एवं काल, प्रतिपाद्य– विषय तथा दार्शनिक चिन्तन।

इकाई–2 **जीवनशैली एवं आचारसंहिता–** जीवनशैली एवं आचारसंहिता, भगवद्गीता का सन्देश, विषय एवं प्रतिपादन–शैली, भगवद्गीता पर लिखित संस्कृत टीकाएँ, सांख्ययोग का विषयसार, कर्मयोग का विषय सार।

इकाई–3 **द्वितीय अध्याय–** श्लोक – 1 से 25 तक– अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 **द्वितीय अध्याय–** श्लोक – 26 से 50 तक– अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–5 **द्वितीय अध्याय–** श्लोक – 51 से 75 तक– अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

खण्ड–2 **श्रीमद्भगवद्गीता (तृतीय अध्याय)**

इकाई–6 **तृतीय अध्याय**– श्लोक 01 से 15 तक – अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–7 **तृतीय अध्याय–** श्लोक 16 से 30 तक – अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–8 **तृतीय अध्याय–** श्लोक 31 से 43 तक – अनुवाद तथा व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। सम्भावित प्रश्न एवं सारांश

DCEST-104 (N)

साहित्यशास्त्र

- **साहित्यदर्पण (तृतीय परिच्छेदपर्यन्त)**

खण्ड–1

इकाई–1 **प्रथम परिच्छेद–** काव्य–प्रयोजन, कुन्तक, मम्मट, भोजदेव तथा आनन्दवर्धन के मत की आलोचना एवं खण्डन, काव्य का प्रमुख फल रसास्वाद– इसका उपपादन, पद्य के नीरस अंशो में भी काव्यत्व का उपपादन, वामन के मत की आलोचना, आनन्दवर्धन की आलोचना।

इकाई–2 प्रथम परिच्छेद– साहित्यदर्पणकार का काव्यलक्षण, काव्यदोष, गुण, अलंकार तथा रीति।

इकाई–3 **द्वितीय परिच्छेद–** वाक्य का लक्षण, आकाङ्क्षा, योग्यता तथा आसत्ति के–लक्षण, महावाक्य का लक्षण (स्वरूप), पद का लक्षण, अर्थ के तीन भेद और उनके स्वरूप, अभिधा शक्ति का स्वरूप एवं संकेतग्रह के साधन, किस–किस अर्थ में संकेतग्रह, लक्षणा शक्ति का स्वरूप, 'कर्मणिकुशलः' आदि प्रयोगों में रूढि लक्षणा का खण्डन।

इकाई–4 **द्वितीय परिच्छेद –** लक्षणा के भेद– उपादान लक्षणा का स्वरूप, लक्षणा के भेद लक्षण–लक्षणा का स्वरूप, सारोपा तथा साध्यवसाना इन भेदों के कारण लक्षणा के 8 भेद, शुद्धा एवं गौणी के भेद से लक्षणा के 16 भेद।

खण्ड–2

इकाई–5 **द्वितीय परिच्छेद –** लक्षणा के भेद–प्रभेद, व्यंजना का स्वरूप, शाब्दी व्यंजना के भेद, अभिधामूला तथा लक्षणामूला व्यंजना का स्वरूप तथा उदाहरण।

इकाई–6 **द्वितीय परिच्छेद–** आर्थी व्यंजना का लक्षण, उदाहरण, भेद, शब्द एवं अर्थ दोनों की ही व्यंजकता–व्यंजना विवेचन, शब्द के तीन भेद, मीमांसकाभिमत तात्पर्या वृत्ति का स्वरूप।

इकाई–7 **तृतीय परिच्छेद–**रस का सामान्य एवं विशेष स्वरूप एवं आस्वादन – प्रकार, करुणादि के भी रसत्व का उपपादन, दुख की कारणभूत सामग्री से सुखरूप रसोत्पति कैसे? रसानुभूति क्यों, अश्रुपातादि क्यों, रामादि के रत्यादि के उद्बोध के कारणों से सामाजिक की रत्यादि का उद्बोध कैसे, साधारणीकरण व्यापार का स्वरूप, सामान्य सामाजिक में उत्साहादिबोध कैसे, विभावादि की भी साधारण्य से ही प्रतीति, विभवादि भी अलौकिक।

इकाई–8 **तृतीय परिच्छेद–** रसबोध में विभावादि, विभावादि में एक रस कैसे, 'रस अनुकार्यगत हैं' तथा– 'रस अनुकर्तृगत है– खंडन, रस ज्ञाप्य नहीं, रस कार्य नहीं, रस नित्य नहीं, रस भविष्यत्कालीन नहीं, रस वर्तमान नहीं, रस निर्विकल्पक– सविकल्पक ज्ञान का विषय नहीं, रस परोक्ष या अपरोक्ष नहीं, रस का वास्तविक स्वरूप – अलौकिक, चवर्णा ही रससत्ता में प्रमाण, रस की अवाच्यता आदि का उपपादन इत्यादि से रससिद्धि।